नवभारत टाइम्स NBT
Lucknow Times OF INDIA masalamix
नवभारत टाइम्स, कानपुर (कानपुर व लखनऊ में एक साथ प्रसारित), शनिवार, 21 मार्च 2026
ADVERTORIAL ENTERTAINMENT PROMOTIONAL FEATURE

किस्सों, शेर-ओ-शायरी से तर हैं लखनवी इत्र

यश दीक्षित

इत्र में घुलती शायरी की महक से इंसान का लिबास ही नहीं बल्कि रूह भी तर हो जाती है। असल में, ईद पर कारोबार में तो इजाफा होता ही है लेकिन उसके साथ जो इत्रसाजों का अंदाज-ए-बयां है, वो उर्दू शायरी में लिपटकर अपनी अहमियत खुद बयां कर देता है। नवाबों के शहर में इत्रसाजों के 'नवाबी सलीके' से लेकर शायराना अंदाज में तहजीब की झलक और लखनवी महफिल का जिक्र है। ईद के मुबारक मौके को इस शेर के साथ समझिए, '29वीं की शब जो तेरी दीद हो गई, अब चांद हो ना हो मेरी ईद हो गई।'

सामने वाले का भी खयाल रखते

अकबरी गेट की तंगगली में मौजूद इत्रसाज दानिश अब्बासी (चौथी पीढ़ी) की दुकान पहुंचे। चौतरफा इत्र की खुशबू से सराबोर दुकान के दानिश बताते हैं कि हम मेहमानों को नजाकत-नफासत के साथ इत्र बेचते हैं। यहां आपको ऐसा कोई इत्र नहीं मिलेगा, जो किसी को नागवार लगे। सिर्फ लगाने वाले को नहीं, जो आसपास होगा, उसको भी वह बुरा नहीं लगेगा। यही लखनवी तहजीब है कि हम अपने साथ सामने वाले का भी खयाल रखते हैं। इत्र बेचने के सलीके के बारे में बात करें तो वो बस यही है कि जब तक ग्राहक मुतमइन (संतुष्ट) ना हो जाए दिखाते और समझाते रहिए। इसके लिए आपको धैर्य लाजवाब होना सबसे जरूरी है।

ग्राहकों को बताते नवाबों के किस्से

मंसूरनगर स्थित एमवाई परफ्यूमर्स के यमान समदी पांचवीं पीढ़ी हैं, जो अपने पुरखों की विरासत को संजोए हुए हैं। वह बताते हैं कि हम इसे सिर्फ व्यापार नहीं समझते क्योंकि यह मोहब्बत और फर्ज की तरह है, जिसे हम शिद्दत से निभाते चले आ रहे हैं। लखनऊ को नवाबों का शहर कहा जाता और यहां के नवाबों के इत्र के तमाम किस्से हैं, जिन्हें हम कद्रदानों को सुनाते हैं। हम ग्राहकों को पुराने किस्से, कहानियां सुनाने के साथ कई बार उसको तैयार करने में लगने वाली मेहनत और विधि से भी रूबरू करवाते हैं।

शाहरुख, प्रियंका और विराट भी हिट

शाहरुख खान की फैन फॉलोइंग सारी दुनिया में है। इसकी नुमाइंदगी लखनऊ में भी झलकती है। यमान बताते हैं कि शाहरुख जिन दो कंपनी के परफ्यूम इस्तेमाल करते हैं, उनको मिलाकर हमने एक इत्र तैयार किया है, जिसे एसआरके नाम से बेचा जा रहा है। इसकी काफी डिमांड रहती है। इसी तरह, 'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा और भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली के भी परफ्यूम की कॉपी हमारे पास मिल जाएंगी। दरअसल, जो परफ्यूम सेलिब्रिटी लगाते हैं, हम उसमें मिले सारे इंग्रीडिएंट अलग-अलग रखते हैं और बाद में उनको मिलाकर हम एक कॉपी तैयार कर देते हैं।

शेर से ज़ाहिर होता इत्र

तहज़ीब	दस्तक	बज़्म	मीर मुश्क
लखनऊ को तहजीब का शहर कहा जाता है। यहां की जुबान में ऐसी मिठास है, जो दिलों में मोहब्बत घोल देती है। लखनवी तहजीब को इत्र के जरिए जुबान से लेकर रूह तक में उतारा जा रहा है। जब तहजीब नाम का इत्र इस शेर के साथ दिया जाता है तो लोगों को इसकी अहमियत का अंदाजा हो जाता है। *'खुश रहने का यही एक तरीका है, तहजीब सिखाती जीने का एक सलीका है'*	हमारे शहर की मेहमाननवाजी सारी दुनिया में मशहूर है। एक बार जो यहां आता है, वो हमेशा के लिए यहीं का होकर रह जाता है। ऐसे में 'दस्तक' मेहमाननवाजी की रवायत भी है और खुशबू का कारोबार भी। इस इत्र के साथ यह शेर भी पढ़ा जाता है। *दरवाजे को दस्तक जिंदा रखती है, जैसे दिल को धक-धक जिंदा रखती है*	लखनऊवाले हर बज्म (महफिल) में पहचान लिए जाते हैं। उनका अंदाज-ए-बयां इतना मुख्तलिफ होता है कि वो हर बज्म की जान बन जाते हैं। बज्म में अगर इत्र की खुशबू ना महके तो महफिल अधूरी रह जाती है। लखनऊवा महफिल का अंदाजा इस शेर से लगाइए। *तुम किसी बज्म में जाकर जहां भी बैठो, जाने क्या बात है पहचान लिए जाते हो*	यह दिग्गज शायरों का 'आशियाना' भी रहा है। इसमें एक उर्दू के जाने-माने शायर मीर तकी मीर भी रहे। उनको समर्पित मीर मुश्क इत्र लोगों को उनकी याद दिलाता रहता है। *मीर उन नीम बाज आंखों में सारी मस्ती शराब की सी है, नाजुकी उनके लब की क्या कहिए पखुंड़ी एक गुलाब की सी है*

किस्सों में आती है महक

रजाई में लगाते थे 'हिना व शमामा'

अकबरी गेट स्थित इत्तहार एंड सन्स के इमरान अब्बासी बताते हैं कि एक जमाने में इत्र महंगा शौक था। जब किसी रजवाड़े में या किसी नवाब तक कोई इत्र ले जाया जाता था तो वे पसंद आने पर सारा इत्र तौल लिया करते थे, ताकि उस पर किसी और का हक ना हो जाए। इसके अलावा, नवाबों की बेगमों के लिए जब कपड़े बुने जाते थे तो इत्र के चिराग जलाकर आसपास रखे जाते थे, ताकि इत्र की खुशबू उसके रेशे-रेशे में हमेशा के लिए बस जाए। वहीं, जब रजाई धुनकाई जाती थी तो उसके दोनों सिरों पर रुई 'हिना और शमामा' में डुबाकर रख दी जाती थी, ताकि ओढ़ने वालों को राहत का अहसास हो।

परदों और बेडशीट पर छिड़का जाता था

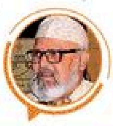

नवाब मसूद अब्दुल्लाह बताते हैं कि ईद पर मेहमानों की आवाजाही होती है तो इस खुशनुमा मौके पर इत्र का खूब इस्तेमाल किया जाता है। पहले के दौर में भी इत्र से ही मेहमानों का स्वागत किया जाता था ताकि पूरा माहौल खुशबू से भर जाए। यहां तक की तोहफे में भी इत्र दिया जाता था। वहीं, पहले जब महिलाएं नहाती थीं तो पानी में इत्र डाला जाता था और वहां लोबान जलाकर रखे जाते थे, फिर उसी लोबान की धूनी महिलाओं के बालों को दी जाती थी ताकि खुशबू बनी रहे। इसके अलावा आरामगाह में परदों और बेडशीट पर भी इत्र छिड़का जाता था ताकि नवाब आराम करें तो भीनी-भीनी महक से उनको सुकून मिले।

नूरजहां का किस्सा है कमाल का

यमान समदी बताते हैं कि अलीगढ़ के हसीन में मार्च-अप्रैल में देश का सबसे अच्छी क्वालिटी का गुलाब उगता है। हम उससे जो इत्र बनाते हैं, उसे 'रूह गुलाब' बोलते हैं। इसको बनाया भी वहीं जाता है क्योंकि यह फूल ऐसा है, जो तोड़ने के दो-तीन घंटे बाद ही खराब हो जाता है। तोड़ने के आधे-एक घंटे में अर्क निकाला जाता है। 'रूह गुलाब' में कोई बेस नहीं मिलाया जाता है। इसे एक किलो तैयार करने के लिए पांच हजार किलो गुलाब की जरूरत होती है। गुलाब और मुगल महारानी नूरजहां का किस्सा भी कमाल का है। कहा जाता है कि जब वे नहाने जाती थीं तो बाथटब में गुलाब की पखुड़ियां डलवाती थीं, जिससे पानी में खुशबू बस जाती थी।

आउटसाइडर्स को फिल्मों में काम दे रही हैं आलिया भट्ट

आलिया भट्ट फिल्मों में तो अपना दम दिखा चुकी हैं लेकिन अब उनका कहना है कि इंडस्ट्री में वह आउटसाइडर्स को काम दे रही हैं।

दरअसल एक इवेंट में करण जौहर और आलिया दोनों मौजूद थे। इस दौरान करण ने आलिया से कहा कि आप एक बेहतरीन फिल्ममेकर बनने की कला में माहिर हो चुकी हैं। इस पर आलिया भट्ट ने तुरंत अपने जवाब में कहा, 'हां करण, क्योंकि ऐक्टर्स को लॉन्च करने का भी एक सही तरीका होता है।' आलिया के इस जवाब पर करण ने मजाकिया अंदाज में कहा कि जाहिर है कि मुझे ये पता नहीं होगा, है न! मैंने तो शायद कभी ऐसा कुछ किया नहीं है। दरअसल, उनकी ये बात एक तरह का इशारा थी कि क्योंकि आलिया को भी उन्होंने ही अपनी फिल्म में लॉन्च किया था।

'मैंने सबसे बेहतरीन लोगों से मिलकर ही काम सीखा'

करण जौहर के मजाकिया अंदाज में कही गई बात पर आलिया ने कहा, 'मैं अब इस बारे में क्या ही कह सकती हूं? हमने सबसे बेहतरीन लोगों से ही काम सीखा है। और उन सब कमाल लोगों ने यह ही सिखाया है कि हर चीज को करने का एक सही वक्त होता है।' लेकिन इसके बाद करण ने सीधे तौर पर आलिया से पूछा कि क्या उनकी अगली फिल्म की स्टारकास्ट आउटसाइडर्स हैं? इस पर आलिया ने पुष्टि करते हुए हां में जवाब दिया कि उनके आने वाले प्रोजेक्ट में कई आउटसाइडर्स हैं।

> मेरे साथ काम करने वाले तमाम बेहतरीन लोगों ने मुझे सिखाया कि हर चीज को करने का एक सही वक्त होता है। -आलिया

विवादित गाने को लेकर नोरा फतेही के खिलाफ फतवा जारी

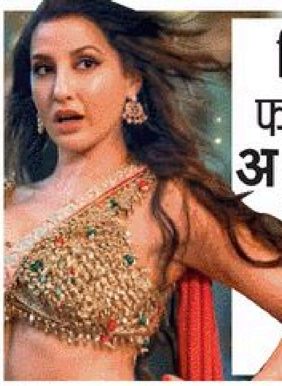

अश्लील गाने 'सरके चुनर तेरी सरके' पर डांस करने को लेकर अब नोरा फतेही के खिलाफ अलीगढ़ स्थित मुस्लिम निजी दारुल इफ्ता ने फतवा जारी किया है। उन्होंने गाने के बोल की निंदा करते हुए इसे अश्लील और भद्दा बताया। उत्तर प्रदेश के मौलाना चौधरी इफराहीम हुसैन ने बयान जारी कर गाने पर निराशा जताई और कहा कि ऐसे गाने नैतिक मूल्यों के खिलाफ हैं।

फतवा में लोगों से ऐसे गानों का बहिष्कार करने का आग्रह किया और फिल्ममेकर्स और कलाकारों से अपील की है कि वे एंटरटेनिंग कॉन्टेंट को जिम्मेदारी से प्रस्तुत करें। इससे पहले राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) भी इस मामले में सख्त रुख अपना चुका है। आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए नोरा फतेही, संजय दत्त, गीतकार रकीब आलम और निर्देशक किरण कुमार को समन जारी किया था। NCW के अनुसार, यह सामग्री भारतीय न्याय संहिता, आईटी एक्ट और पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन कर सकती है। गाने के बोल और सीन अश्लील और आपत्तिजनक हैं। सभी संबंधित लोगों को 24 मार्च को दोपहर 12:30 बजे आयोग के सामने पेश होने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, केंद्र सरकार ने भी इस गाने पर कार्रवाई करते हुए इसे बैन कर दिया है।

भेजें ईद की फोटो

इत्र की खुशबू, सेवई की महक और नए कपड़े ईद की रौनक में इजाफा करते हैं। यह त्योहार अमन, चैन और भाईचारे का प्रतीक है। ईदी के पैसों से घूमना-फिरना और मनपसंद चीजें खाना हो या गले लगाकर एक-दूसरे को मुबारकबाद देना, ये सबकुछ त्योहार पर माहौल खुशहाल रखता है। अगर आप भी अपनों के साथ ईद सेलिब्रेट कर रहे हैं तो उसकी फोटोज हमें lucknowtimesnbt@gmail.com पर पूरे नाम व पते के साथ भेजें। साथ में कैप्शन लिखें - Eid Mubarak

शाहरुख खान ने समझाया था सही कैमरा एंगल: दिव्या

Vartul.Awadhi@timesofindia.com

कई कलाकार अपने किरदारों से पहचाने जाते हैं लेकिन दिव्या दत्ता उन चेहरों में से हैं, जो हर किरदार में खुद को थोड़ा-थोड़ा छोड़ती चली जाती हैं। लुधियाना की सादगी से लेकर सिनेमा की गहराइयों तक उनका सफर किसी शोर का नहीं बल्कि एक शांत भरोसे का रहा है, वो दिल की सुनने का भरोसा है। उनके लिए अभिनय सिर्फ संवाद नहीं, खामोशियों को महसूस करने की कला है। फैसले हों या किरदार, वे आज भी उसी रास्ते पर चलती हैं, जहां दिमाग से पहले दिल जवाब देता है और शायद यही उन्हें अलग बनाता है। लखनऊ में शूट हुई वेब सीरीज चिरैया के लिए बीते दिनों शहर आईं दिव्या दत्ता से खास बातचीत।

दिल से बड़ा मेरा कोई साथी नहीं होता है

लुधियाना में पली-बढ़ी दिव्या दत्ता कहती हैं कि मैंने अपने घर से बहुत कुछ सीखा है लेकिन कई बातें वक्त के साथ समझ में आती हैं। फिल्में और शोज को चुनते समय मैं सिर्फ दिल की सुनती हूं। मुझे लगता है कि जो काम मैं दिल से करूंगी, वही मुझे आगे बढ़ने का मौका देगा। मेरे फैसले पहले भी दिल से होते थे और आज भी वही तरीका है क्योंकि दिल से बड़ा कोई साथी नहीं होता है। यही वजह है कि डॉक्टरों के परिवार से होने के बावजूद हमेशा से क्लियर साफ थी कि मुझे ऐक्टिंग इंडस्ट्री का रास्ता चुनना है। मैं खुद को खुशकिस्मत भी मानती हूं कि मां ने मुझे अपनी पसंद चुनने की पूरी आजादी दी थी।

माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो

मैंने कई अनुभवी कलाकारों के साथ काम करते हुए बहुत कुछ सीखा है। हालांकि, मुझे सबसे अहम सीख फिल्म वीर-ज़ारा के दौरान शाहरुख खान के साथ काम करते हुए मिली। उस वक्त मुझे कैमरा एंगल्स का ज्यादा आइडिया नहीं था। उन्होंने खुद मुझे सही जगह पर खड़े होने में मदद की। वह इतने बड़े सुपरस्टार हैं, उन्हें क्या जरूरत थी मेरे लिए आगे आने की पर उन्होंने ये सब चीजें नहीं देखी थीं। मुझे समझाने के बाद उन्होंने यह भी कहा था कि मैं हर जगह मौजूद नहीं रहूंगा तो तुम्हें चीजें अपने हिसाब से बेहतर करनी होंगी। मुझे यह बात हमेशा याद रही। आज अगर मैं सीनियर हो गई हूं तो कोशिश करती हूं कि नए लोगों की जितनी मदद कर सकूं, करूं। सबसे जरूरी बात यही है कि सेट पर लोग एक-दूसरे के साथ कंफर्टेबल महसूस करें। काम तभी अच्छे से होता है, जब माहौल इंसानी और सम्मानजनक हो।

CONTINUED ON » 3

रोज़मर्रा की खामोशियां और अभिनय

ऐक्टिंग के दौरान किरदार की खामोशियों को पकड़ने के लिए किसी अलग एक्सरसाइज की जरूरत नहीं पड़ती है। खामोशियां अचानक सामने आ जाती हैं और अभिनेता खुद समझ जाता है कि यही सही पल है। यह सेट का एक तरह का जादू होता है। अब रही बात मेरे महेरा के किरदार की तो मैं स्क्रिप्ट को इसका सबसे बड़ा आधार मानती हूं, जिसे दिव्य निधि शर्मा ने बेहद खूबसूरती से लिखा है। जब कलाकार खुद को छोड़कर किरदार बन जाता है तो उस किरदार की साइलेंस, चाहे वह आसपास की शांति हो या शोर अपने आप महसूस होने लगते हैं। उसी को निभाना अभिनेता का काम है।

CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 21-03-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMPG2 User: cci Time: 03-20-2026 21:50 Color:

'मैं हाउस वाइफ हूं। घूमना और किताबें पढ़ना मेरे शौक हैं। मुझे नेचर के करीब रहना और गार्डनिंग पसंद है।'
-खुशी सोनी, बालागंज

DP UPDATE

Status: Cool

ये स्पेस आपके लिए

● Available

lucknowtimesnbt@gmail.com पर हमें अपनी ऑनलाइन डीपी, नंबर और डिटेल्स के साथ भेजें।

'मैं प्राइवेट जॉब करता हूं। क्रिकेट खेलना और म्यूजिक सुनना मेरी हॉबीज हैं। मुझे हिल स्टेशन जाना अच्छा लगता है।'
- पुष्कर वर्मा, चिनहट

स्माइल विद दादा-दादी

भेजें दादा-दादी के साथ वाली प्यारी-सी फोटो lucknowtimes nbt@gmail.com पर। अपने नाम के साथ दादा/दादी का भी नाम लिखें। सब्जेक्ट में लिखें- Smile with Dada/Dadi

आनंदी प्रसाद

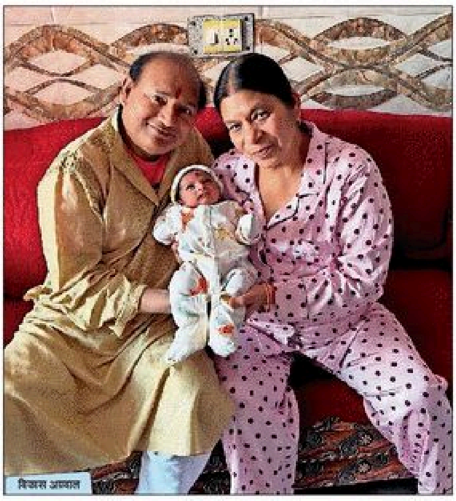
विकास अग्रवाल

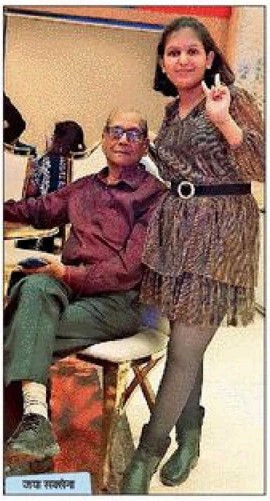
जया सक्सेना

खींचोगे तो दिखोगे

अपनी मस्ती भरी तस्वीरें हमें lucknowtimes nbt@gmail.com पर भेजिए। मेल में अपना पता व नंबर जरूर लिखें और सब्जेक्ट में लिखें Kichoge to Dikhoge.

यह फोटो अशोक शुक्ला ने चारबाग से भेजी है।

Selfie

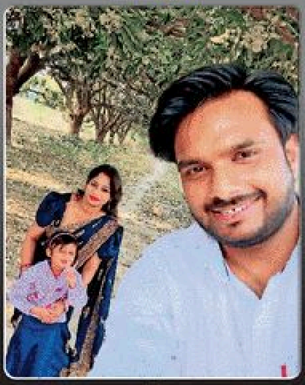
-मोहित साहू, विकास खंड

हमें अपनी सेल्फी lucknowtimesnbt@gmail.com पर भेजिए। सब्जेक्ट में लिखें Meri Selfie.

टाइमपास के फंडे

आप भी कर रहे हैं समय का सदुपयोग, तो हमें भेजे टाइमपास की फोटो lucknowtimesnbt@gmail.com पर। सब्जेक्ट में लिखें- Timepass

खुशबू वर्मा

सौरवी सेठ

मेरा प्यारा PET

अपने पेट्स के साथ की फोटो ईमेल करें lucknow times nbt @gmail.com पर। नाम, पता लिखना न भूलें और सब्जेक्ट- My Pet

अरुणा शर्मा

नेचर से प्यार

भेजें गार्डनिंग करते हुए अपनी फोटो lucknow timesnbt@gmail.com पर। नाम व पता जरूर लिखें। सब्जेक्ट में लिखें- Nature se Pyar

सुरेंद्र शुक्ला, पारा

वर्तिका

सुरुचि

यह समाचार पत्र/पत्रिका रितेश कपूर द्वारा टाइम्स हाउस, 16/290, सिविल लाइंस, कानपुर-208001 से, बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड की ओर से प्रकाशित किया जाता है। इसका संस्करण मुद्रित किया गया है तथा इसे मुद्रित बेनेट कोलमैन एंड कंपनी लिमिटेड, द टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ-227105, उत्तर प्रदेश में मुद्रित किया गया है। फोन: 0512-2380913, 0522-4054444, पंजीकृत कार्यालय: टाइम्स ऑफ इंडिया बिल्डिंग, डॉ. डी. एन. रोड, मुंबई-400001। स्थानीय संपादक: सुधीर मिश्र (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी. आर. बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)।
© सर्वाधिकार सुरक्षित: लिखित अनुमति के बिना संपूर्ण या आंशिक पुनर्प्रकाशन पूर्णतः प्रतिबंधित।

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
आज आप एक महत्वपूर्ण परियोजना शुरू करने वाले हैं, जिसके सफलतापूर्वक पूरा होने में एक साल लग सकता है। आर्थिक लाभ की उम्मीद कर सकते हैं। सेहत और वित्तीय मामलों की अनदेखी न करें। फिलहाल जमीन जायदाद के लिए निवेश करना आपके लिए शुभ रहेगा।

TAURUS 20 Apr - 19 May
मकर राशि वाला कोई व्यक्ति आपके समक्ष प्रस्ताव पेश करेगा, लेकिन उसके बहकावे में न आएं। शाम से रात तक किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। आज का दिन स्वास्थ्य के लिए थोड़ा नरम रह सकता है। खान-पान से बचें। आलस को भी छोड़ दें।

GEMINI 21 May - 21 Jun
जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रगति की दिशा में आगे बढ़ेंगे। भाग्य आज महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। योजनाओं से संबंधित प्रस्ताव की मंजूरी मिलने और भुगतान मिलने के बाद आप व्यावसायिक कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे। उपयुक्त व्यक्ति और उम्दा अवसर आपको मिलते रहेंगे, जिनकी अतीत में आपको तलाश थी।

CANCER 22 Jun - 22 July
सप्ताहांत के समय आप परिवार के सदस्यों और दोस्तों के प्रति उदार रवैया अख्तियार करेंगे। आज आप प्रसन्नता अनुभव करेंगे। विलासितापूर्ण माहौल का लुत्फ उठाएंगे। बड़ी मात्रा में पैसा हाथ में आने से आप संतुष्टि महसूस करेंगे। रात में इन लोगों पर धन का खर्च भी हो सकता है। नौकरीपेशा जातकों के लिए आज पदोन्नति के संकेत भी मिल रहे हैं।

LEO 23 July - 22 Aug
निजी संबंध प्रेम पूर्ण रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहने से आप विभिन्न कार्यों में सक्रियता पूर्वक भाग लेंगे। अपने पार्टनर के साथ मिलकर आप अपने संसाधनों को एकजुट करने में सफल रहेंगे। शाम का समय अध्ययन मनन में व्यतीत होगा। रात में आपको कोई तोहफा या स्वादिष्ट भोजन मिल सकता है।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
सहकर्मियों के सहयोग से आज आप एक परियोजना को पूरा करने में सफल रहेंगे। किसी सम्मानित व्यक्ति के हस्तक्षेप से पारिवारिक विवाद का समाधान हो जाएगा। आपकी रचनात्मक क्षमता बढ़ेगी। परिस्थितियों का आकलन करें और दिल दिमाग और दिमाग की बात सुनकर फैसला लें।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आज विदेशीय व्यावसायिक साझेदारी व संबंधों से लाभ होगा, लेकिन नीजि संबंधों के मामले में विदेशीय रिश्ते आपके जीवन में समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं। आप जीवन में तीन भूमिकाएं निभाएंगे। बेहतर यही होगी कि हर भूमिका को अलग-अलग रखें, उन्हें आपस में मिलाएं नहीं, अन्यथा आप संशय में पड़ जाएंगे। शाम का समय मनोरंजन में व्यतीत होगा।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
आज विदेशीय व्यावसायिक साझेदारी व संबंधों से लाभ होगा, लेकिन नीजि संबंधों के मामले में विदेशीय रिश्ते आपके जीवन में समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं। आप जीवन में तीन भूमिकाएं निभाएंगे। बेहतर यही होगी कि हर भूमिका को अलग-अलग रखें, उन्हें आपस में न मिलाएं, नहीं तो संशय में पड़ जाएंगे।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
सेहत और वित्तीय संसाधनों पर ध्यान देने की जरूरत है। दूसरे लोगों के कार्यों के लिए ज्यादा वक्त और ऊर्जा बर्बाद न करें, क्योंकि ऐसे लोग एक के बाद एक दूसरी फरमाइशें पेश करेंगे। आज समाज में भी आपका महत्व बढ़ेगा। मूड में उतार-चढ़ाव पर नजर रखें।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आपकी राशि से द्वितीय (कुंभ) स्थान पर शनि का संचार हो रहा है और चतुर्थ भाव में चंद्रमा है। आप परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण मुहाने पर खड़े हैं। किसी कठिन दौर से गुजर सकते हैं। लेकिन याद रखें, जब अंधेरा गहराता है तब सवेरा करीब होता है। आपके समक्ष भावनात्मक समस्याएं भी आएंगी।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
राशि स्वामी शनि के आपकी ही राशि (प्रथम भाव) में होने और चंद्रमा के तृतीय भाव में होने से निजी संबंधों पर भावनाएं हावी रहेंगी। आत्मा की पुकार को सुनें। हर मामले में अतिवादी होने से बचें। जीवन के कड़वे अनुभवों से सबक सीखें। अतीत को भुलाकर वर्तमान में कदम आगे बढ़ाएं।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
आज चंद्रमा मेष राशि पर संचार कर रहा है, जो कि आपकी राशि से द्वितीय भाव है। जो उम्मीदें संजो रखी हैं, उनके पूरा न होने पर आप थोड़े खिन्न रह सकते हैं। निजी संबंधों के कुछ मामलों में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। जीवन में जब भी आपको आवश्यकता पड़ेगी तब आपके पारिवारिक सदस्यों से जरूरी सहयोग कभी कम नहीं होगा।

सुडोकू

			1		3			
3	6		8		7		5	2
		1		2		3		
	7			6			1	
		2	4		5	9		
	9			8			4	
		7		4		8		
6	3		9		8		2	1
			5		6			

कल के सुडोकू का जवाब

7	4	6	1	9	8	3	2	5
3	2	5	7	6	4	8	1	9
8	1	9	5	3	2	6	4	7
2	7	3	4	8	9	1	5	6
4	6	1	3	7	5	2	9	8
9	5	8	2	1	6	4	7	3
1	3	4	6	5	7	9	8	2
6	8	7	9	2	1	5	3	4
5	9	2	8	4	3	7	6	1

TELEVISION big magic

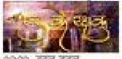

09:00	बबलू डबलू
10:00	बद्दुबा दुड्डक
11:00	रुद्र के रक्षक
11:30	अलादीन
12:00	चक्रधारी अजेय कृष्णा
13:30	भ से भाई
14:30	हम पांच
15:00	अजब देश की गजब कहानी
16:30	प्यार मोहब्बत हैप्पी लाइफ
18:30	रुद्र के रक्षक
21:00	चौरा

कल का पंचांग
(रविवार, 22 मार्च 2026)

राष्ट्रीय मिति चैत्र 1, शक संवत 1948, चैत्र शुक्ल, चतुर्थी, रविवार, विक्रम संवत 2083। सौर चैत्र मास प्रविष्टे 9, शव्वाल 2, हिजरी 1447 (मुस्लिम), एएच अनुसार अंग्रेजी तारीख 22 मार्च 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, उत्तर गोल, बसंत ऋतु। राहु काल शाम 4 बजकर 30 मिनट से 6 बजे तक। चतुर्थी तिथि रात 9 बजकर 17 मिनट तक के बाद पंचमी तिथि का आरंभ। भरणी नक्षत्र रात 10 बजकर 43 मिनट तक के बाद कृत्तिका नक्षत्र का आरंभ। वैधृति योग शाम 3 बजकर 42 मिनट तक के बाद विष्कुंभ योग का आरंभ। चंद्रमा अगले दिन तड़के 4 बजकर 14 मिनट तक मेष उपरांत वृष राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार श्री मत्स्य जयंती, मन्वादि तृतीया, शव्वाल (मुस्लिम) मास प्रारंभ, अंदोलन तृतीया, गंडमूल 24:38 तक।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

इस वर्ष शनि-मंगल-शुक्र का प्रभाव विशेष रूप से आपके वर्षफल पर पड़ेगा। मार्च शेष में कोई महिला मदद करेगी। अप्रैल-मई में नियमित कार्यक्रमों में बदलाव लाने से लाभ हो जाएगा। जून-जुलाई में संतान पक्ष की चिंता से आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अगस्त-सितंबर में सभी रुके कार्य बन जाएंगे। अक्टूबर-नवंबर में किसी मंगल कार्य की योजना बनेगी। दिसंबर से जनवरी 2027 तक सार्थक यात्रा का योग है। फरवरी में मनोरंजन पर खर्चा करना सुखद होगा। मार्च में विद्यार्थी वर्ग को कठिन परिश्रम से सफलता मिलेगी। वर्षांत में भाग्य का उदय, विजय विभूति की प्राप्ति होगी।

-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 21-03-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMPG3 User: cci Time: 03-20-2026 21:32 Color:

सवाल से ज्यादा ज़रूरी, उसे कहने का तरीका है: दिव्या दत्ता

CONTINUED FROM ▶ 1

दिव्या दत्ता कहती हैं कि चिरैया किसी लाउड विद्रोह की कहानी नहीं है बल्कि भीतर होने वाले एक शांत जागरण की बात करती है। हर दृश्य का अपना स्वभाव होता है। कभी कुछ कहना जरूरी होता है और कभी बिल्कुल शांत रहना। सब कुछ सीन के पूरे ढांचे पर निर्भर करता है। जैसे सीन की मांग होती है, वैसा ही भाव अपनाया जाता है। कहीं शब्द जरूरी होते हैं, कहीं खामोशी ही सबसे बड़ा संवाद बन जाती है। मुझे लगता है कि सवाल से ज्यादा जरूरी है उसे कहने का तरीका है। बात किस शांति से, किस प्यार से और किस सम्मान के साथ कही जाती है, वही फर्क पैदा करता है। 'शादी कोई लाइसेंस नहीं है' जैसे संवाद सवाल जरूर उठाते हैं, लेकिन किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं बल्कि सोचने के लिए मजबूर करने के इरादे से।

HEALTH & WELLNESS TIMES interact

GALLERIA TIMES interact

EDUCATION FORUM TIMES interact

ईद की खुशियां

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

ईद के खास मौके पर खरीदारी का उत्साह

ईद पर बाजारों में भारी भीड़, कपड़ों, मिठाइयों और किराने के सामान की बढ़ती मांग और छोटे व्यवसायों के लिए बढ़ी हुई सक्रियता देखने को मिलती है, क्योंकि परिवार समारोहों, उपहारों और पारंपरिक भोजन की तैयारियों में जुट जाते हैं।

Ananya Nair
Response.UP@timesofindia.com

ईद से कुछ दिन पहले और ईद के दिन, शहर भर के बाजारों में हलचल काफी बढ़ जाती है। कपड़ों और जूतों से लेकर मिठाइयों और किराने के सामान तक, खरीदार उन सभी जरूरी चीजों की तलाश करते हैं, जो रिश्तेदारों और दोस्तों के साथ होने वाली दावतों और समारोहों में काम आएंगी।

खुदरा विक्रेता अक्सर इस अवधि को अपने वार्षिक व्यावसायिक चक्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं। कई दुकानें अपने काम के घंटे बढ़ा देती हैं, क्योंकि ग्राहक अपनी खरीदारी पूरी करने के लिए देर शाम तक बाजारों में आते हैं। स्थानीय बाजार और पड़ोस की मंडियां इस दौरान विशेष रूप से जीवंत हो जाती हैं, जहां स्टालों पर त्योहारी संग्रह और मौसमी उत्पाद प्रदर्शित किए जाते हैं।

पारंपरिक पकवानों की मांग

आमतौर पर घरों में खरीदारी की शुरुआत उन किराने के सामान और सामग्रियों से होती है, जिनकी जरूरत त्योहार के दौरान बनाए जाने वाले पारंपरिक व्यंजनों और मिठाइयों के लिए पड़ती है। एक किराना दुकान के मालिक इरफान अहमद कहते हैं, "ईद पर लोग उन खाने-पीने वाली चीजों और उपहारों के साथ जश्न मनाते हैं, जो उन्होंने ईद से पहले के दिनों में खरीदे होते हैं। सूखे मेवे, दूध और सेवईं जैसी चीजें बड़ी मात्रा में तैयार की जाती हैं, क्योंकि ये मिठाइयां और डेसर्ट आकर्षण का केंद्र होते हैं और पूरे दिन मेहमानों को परोसे जाते हैं।"

कपड़ों की दुकानों पर भारी भीड़

कपड़ों की दुकानों में ईद की खरीदारी के दौरान मांग का सबसे बड़ा उछाल देखा जाता है। त्योहार के लिए नए कपड़े खरीदना एक पुरानी परंपरा है। खुदरा विक्रेता अक्सर विशेष 'फेस्टिव कलेक्शन' पेश करते हैं, जिसमें पारंपरिक पहनावे के साथ-साथ समारोहों के लिए आधुनिक स्टाइल के कपड़े भी शामिल होते हैं। त्योहारी डिस्प्ले को देखने के लिए शॉपिंग स्ट्रीट्स और मॉल्स में ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ती है। कई परिवारों के लिए, साथ मिलकर बाजार जाना और कपड़े चुनना इस त्योहार का एक सुखद हिस्सा बन जाता है। गारमेंट स्टोर मैनेजर रोहन गुप्ता कहते हैं, "ईद कपड़ों के खुदरा विक्रेताओं और खरीदारों के लिए सबसे व्यस्त सीजन में से एक है।"

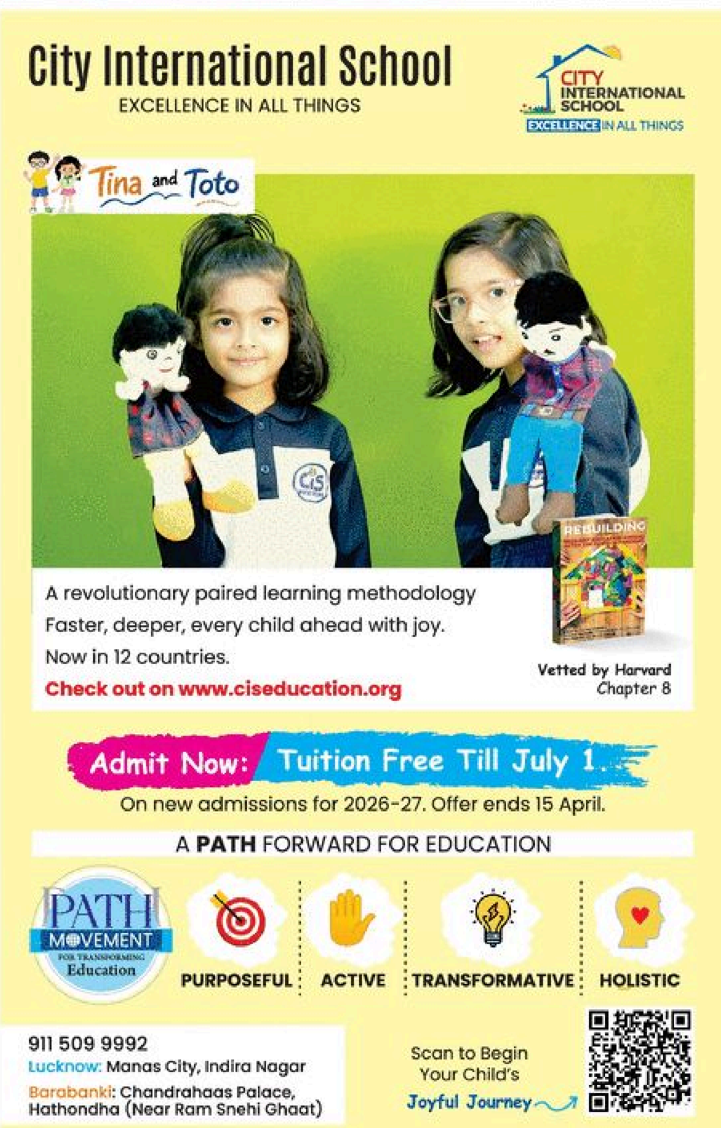

CCI NG 3.7 Product: LucknowMasalamixBS PubDate: 21-03-2026 Zone: Lucknow Edition: 1 Page: LTMMBP User: vartul.awasthi@timesofindia.co Time: 03-20-2026 21:17 Color:

स्पाइडर मैन के ट्रेलर ने रच दिया इतिहास

स्पाइडर मैन: ब्रैंड न्यू डे के ट्रेलर ने रिलीज होने के 24 घंटे में इतिहास रच दिया है। ट्रेलर ने पहले ही दिन सभी प्लेटफॉर्म्स को मिलाकर 718.6 मिलियन (करीब 72 करोड़) व्यूज जुटाए हैं। स्पाइडर मैन ने सिर्फ 8 घंटों में 373 मिलियन (करीब 37 करोड़) व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया।

BTS ग्रुप का नया एल्बम हुआ रिलीज़ तो भावुक हुए फैंस

अरिरंग एल्बम के गाने स्विम के एक दृश्य में BTS ग्रुप के सदस्य

अरिरंग एल्बम में BTS ग्रुप के सदस्य

पहले कॉन्सर्ट को लेकर भी जबर्दस्त क्रेज़

BTS अपने पहले कॉन्सर्ट को लेकर भी पूरी तरह से तैयार है। साउथ कोरिया की राजधानी सियोल में वापसी के बाद ग्रुप अपना पहला परफॉर्मेंस देगा। इसको लेकर एक बड़ा स्टेज भी तैयार हो चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस कॉन्सर्ट में 22 हजार के करीब फैंस मौजूद होंगे। वहीं करीब 2 लाख फैंस कॉन्सर्ट वाली जगह के बाहर से ही देख पाएंगे। इसके लिए इवेंट वाली जगह पर बड़ी-बड़ी कई स्क्रीन्स भी लगाई गई हैं।

कोरियन पॉप ग्रुप BTS की वापसी का उनके करोड़ों फैंस को बेसब्री से इंतजार था। अब BTS ने आर्मी ट्रेनिंग के बाद अपना पहला एल्बम आरिरांग (Arirang) लॉन्च किया है। इस एल्बम में BTS ने 14 गानों को रिलीज किया। इसी एल्बम से एक गाना स्विम का विडियो भी जारी किया गया है।

एल्बम रिलीज होते ही उनके फैंस गानों को सुनने के लिए बेहद क्रेजी दिखाई दिए और गाने सुनने के बाद उनके कई फैंस बेहद भावुक भी हो गए। उनके एक फैन ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'किंग की वापसी।' एक अन्य यूजर ने लिखा, अभी शुरू से आखिर तक अरिरांग सुना। मैंने 'बॉडी टु बॉडी' गाने से शुरू होकर आखिर में 'इन्टु द सन' तक को सुना। गाने एकदम परफेक्ट हैं।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'BTS के नए गाने सुनकर मेरी आंखों में आंसू आ गए हैं। यह गाने बहुत अच्छे हैं।' इससे पहले BTS टीम के सदस्य 18 महीने की आर्मी ट्रेनिंग पर थे। तब से इस ग्रुप के फैंस उनके लौटने और नए गानों का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

बियॉन्से की पार्टी में अशर और जस्टिन के बीच बहस

जस्टिन बीबर और अशर का झगड़ा हो गया है। खबर है कि बियॉन्से की आफ्टर ऑस्कर पार्टी में दोनों सिंगर पहुंचे थे। वहीं दोनों के बीच तीखी बहस हुई, जिसने सभी मेहमानों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पार्टी में मौजूद गवाहों का कहना है कि अशर और जस्टिन के इस झगड़े ने उस हाई-प्रोफाइल महफिल में सबका ध्यान खींच लिया था। हालांकि कुछ शुरुआती रिपोर्ट्स में हाथापाई होने का दावा किया गया, लेकिन जस्टिन के करीबी लोगों ने किसी भी तरह के फिजिकल कॉन्टैक्ट से साफ इनकार किया है। रिपोर्ट्स में आगे बताया रहा है कि वह अशर ही थे जो काफी गुस्से और एनर्जी के साथ जस्टिन के पास पहुंचे थे। गौरतलब है कि बियॉन्से की इस पार्टी में टेलर स्विफ्ट, माइकल बी जॉर्डन, टिमोथी शैलमे, काइली जेनर और एमा स्टोन जैसे बड़े सितारे भी शामिल हुए थे।

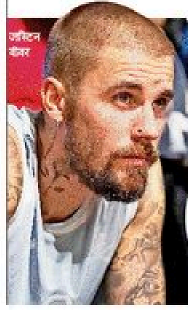

जस्टिन बीबर

अशर

ईद की खुशियां

READER ENGAGEMENT INITIATIVE

Abhishek.Singh2@timesofindia.com

वैसे तो पूरा महीना ही पवित्र होता है और रोजे के पहले दिन से लेकर आखिरी दिनों तक में चांद के दिखने का अपना खास महत्व होता है। रोजों के बाद दिखने वाला पहला चांद ही 'ईद का चांद' कहलाता है।

इबादत और खुशियों का जश्न

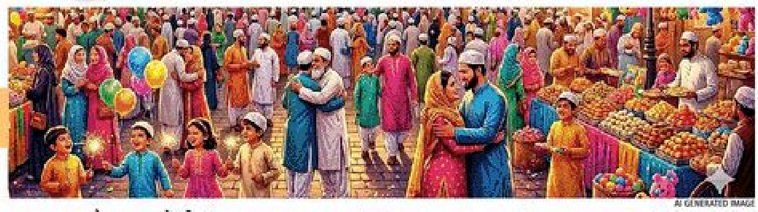

AI GENERATED IMAGE

रमजान के पाक महीने के बाद ईद का चांद जैसे ही नजर आता है, हर दिल खुशी से झूम उठता है। पूरे महीने की इबादत, रोजा और नेकियों के बाद यह दिन इनाम की तरह आता है। ईद सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि मोहब्बत, बराबरी और बांटने की भावना का प्रतीक है। चांद के दीदार के साथ ही बाजारों की रौनक और घरों की तैयारियां अपने चरम पर पहुंच जाती हैं।

इबादत और आत्मशुद्धि का महीना

माहे रमजान इस्लाम में बेहद पवित्र माना जाता है। यह महीना सिर्फ भूखे-प्यासे रहने का नहीं, बल्कि आत्मा को पाक करने और खुदा के करीब जाने का जरिया है। रोजा रखने का मकसद इंसान के अंदर सब्र, करुणा और दूसरों के प्रति संवेदनशीलता पैदा करना होता है। पूरे महीने लोग इबादत में लीन रहते हैं, और जरूरतमंदों की मदद करते हैं। सही मायने में रमजान का महीना जीवन का सही सबक दे जाता है।

ईद का चांद: खुशियों का पैगाम

रोजों के बाद आसमान में नजर आने वाला पहला चांद 'ईद का चांद' कहलाता है। इस चांद के दीदार के साथ ही पूरे माहौल में जश्न की लहर दौड़ जाती है। अगले दिन ईद मनाने की तैयारी शुरू हो जाती है। यह चांद न सिर्फ एक त्योहार की घोषणा करता है, बल्कि खुशियों और नए सफर का संदेश भी देता है।

बाजारों में रौनक, खरीदारी का उत्साह

ईद से पहले ही बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिलती है, लेकिन चांद नजर आते ही यह रौनक कई गुना बढ़ जाती है। कपड़े, जूते, इत्र, टोपी और सजावटी सामान की दुकानों पर भीड़ उमड़ पड़ती है। चौक के एक विक्रेता अजहर महमूद बताते हैं कि पूरे रमजान के दौरान बाजार देर रात तक खुले रहते हैं, लेकिन चांद दिखने के बाद उत्साह देखने लायक होता है। ऐसा लगता है जैसे हर कोई अपनी ईद को खास बनाने में जुट गया हो।

इत्र, सुरमा और नए कपड़ों की परंपरा

ईद के दिन नए कपड़े पहनना और इत्र लगाना एक खास परंपरा है। नमाज से पहले लोग इत्र और सुरमा का इस्तेमाल करते हैं, जिसे सुन्नत माना गया है। इन दिनों इत्र की मांग काफी बढ़ जाती है। इत्र व्यापारी फिरोज आलम बताते हैं कि सऊदी अरब, मुंबई और दिल्ली से आए इत्र की जबरदस्त बिक्री होती है। खुशबू जितनी खास होती है, उसकी कीमत भी उतनी ही बढ़ जाती है। इस बार इत्र की खरीदारी में खास उछाल देखने को मिला है।

घरों में पकवानों की महक

ईद की तैयारियां सिर्फ बाजारों तक सीमित नहीं होतीं, बल्कि घरों में भी खास पकवान बनाए जाते हैं। सेवइयां, शीर खुरमा, कबाब और कई तरह के व्यंजन इस त्योहार की पहचान हैं। महिलाएं कई दिन पहले से ही इसकी तैयारी में जुट जाती हैं। ईद के दिन इन पकवानों की खुशबू हर घर को महका देती है और मेहमानों की खातिरदारी पूरे दिल से की जाती है। मेहमानों के आने का सिलसिला शुरू होता है और देर रात तक चलता रहता है।

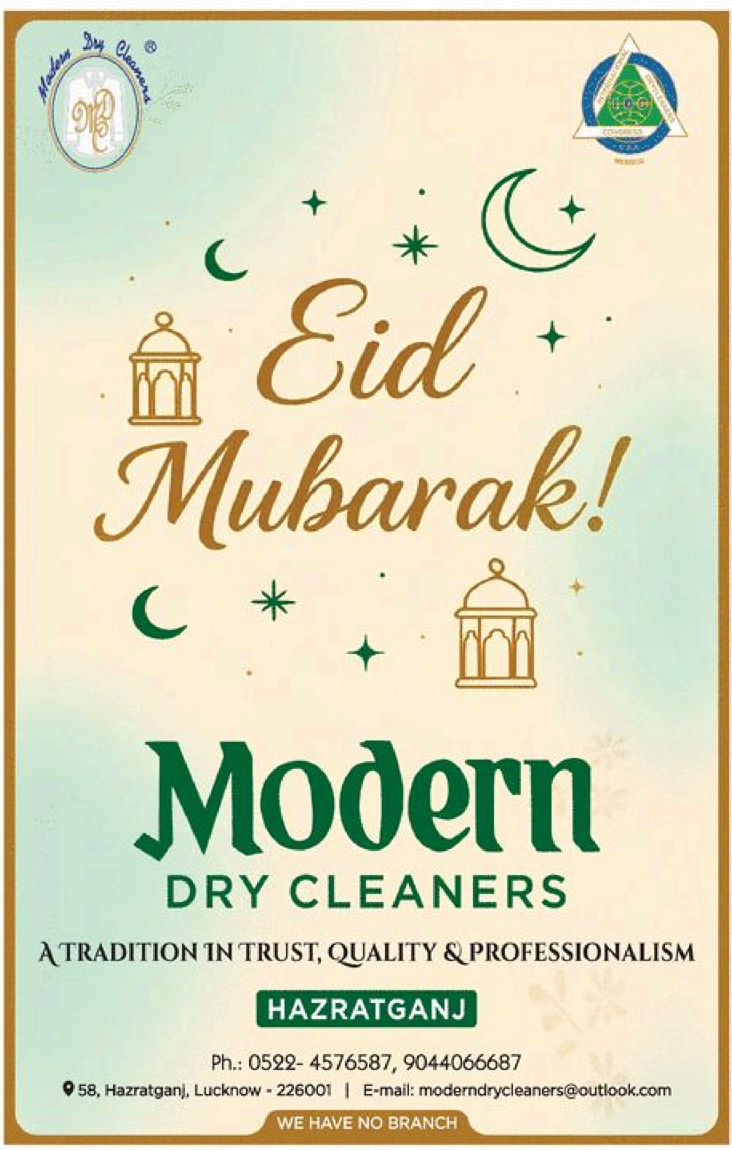

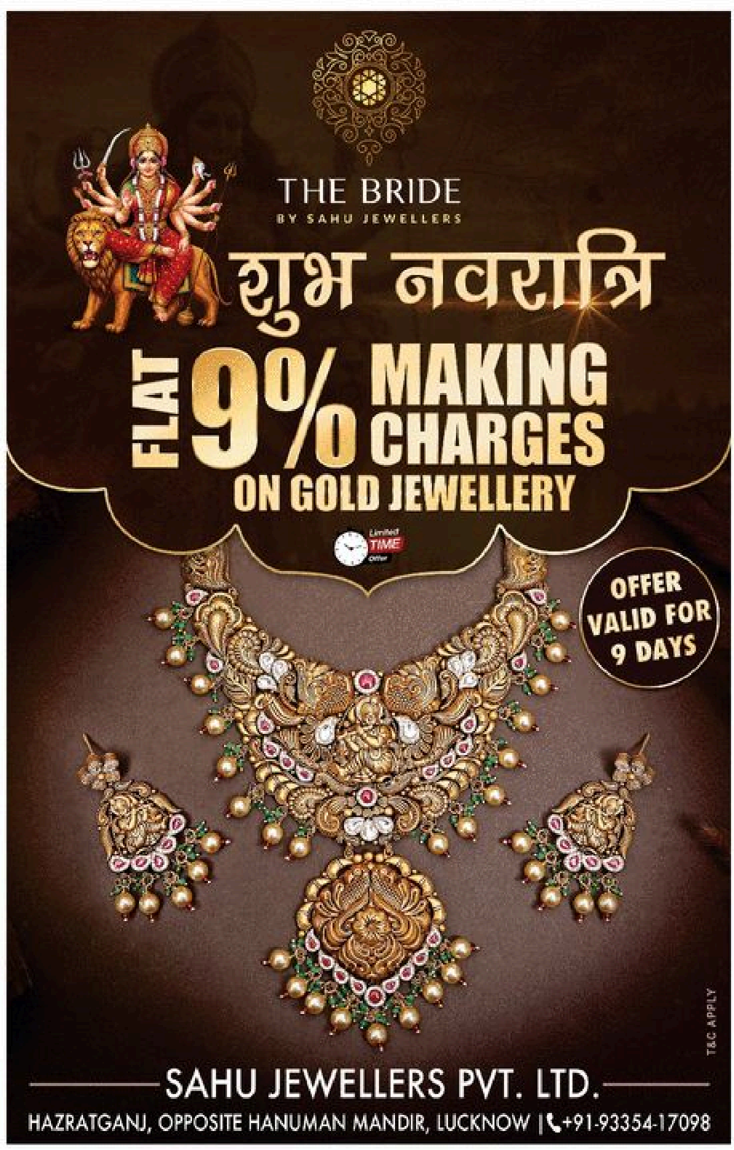

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in